वार्षिक प्रतिवेदन

सत्र 2021–2022

प्रस्तुतकर्ता

सचिव

डॉ.बी.एल.देवन्दा

रजि. नं. 144/जयपुर/2008–09 मो० 9314618091

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय,रूपनगढ़

(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर)

राई का बाग, परबतसर रोड़, रूपनगढ़, अजमेर–305814

E-mail:Info@svmmcollege.com, website:- www.svmmcollege.com

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ़ संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर शिक्षा समिति ने शिक्षा के क्षेत्र में 2008–09 में प्रवेश किया था जो आज शोध सुविधायुक्त स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय के रूप में आपके समक्ष उन्नत मस्तक लिए खड़ा हुआ है।

महिला शिक्षा भारतीय सामाजिक व्यवस्था का एक अभिन्न अंग है। इसका समाज से गहरा संबंध है तथा इससे राष्ट्र की प्रकृति, संस्कृति एवं चरित्र अनुबंधित है। सामाजिक एवं पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ–साथ आज की महिलाओं के सामने सामाजिक एवं आर्थिक समस्याएं, ज्ञान की वृद्धि, उभरती हुई अपेक्षाएँ तथा समाज में होनें वाले परिवर्तन इत्यादि भविष्य में जवाबदेही की अपेक्षा रखते हैं। इस दृष्टि से गुणवान सजग एवं अपने उतरदायित्वों के प्रति जागरूक महिलाओं को तैयार करने के लिए महिला शिक्षा की व्यवस्था में आवश्यक सुधार लाना अनिवार्य है। महाविद्यालय का प्रमुख उद्देश्य समाज में चरित्रवान सबल, नैतिक रूप से सुदृढ़ सशक्त एवं आत्मनिर्भर महिलायें तैयार करना है।

यह मान्यता है कि एक चरित्रवान सबल, नैतिक रूप से सुदृढ़ सशक्त एवं आत्मनिर्भर महिला बनने के लिए औपचारिक एवं व्यावसायिक शिक्षण निरन्तर प्राप्त करते रहना चाहिए । ऐसा करने से उसके व्यक्तित्व का समुचित विकास होता है, संप्रेषण कौशल पुष्ट होता है तथा आचारसंहिता के प्रति वचनबद्धता बढ़ती है। इन्ही सभी मूल्यों को प्रायोगिक रूप में शिक्षा जगत में स्थापित करने हेतु मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर के द्वारा सत्र 2016–2017 से स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ़ का शुभांरभ किया गया ।

सचिव

डॉ. बी.एल. देवन्दा

बालिका शिक्षा क्षेत्र में नवीन सौपान

अनेक शिक्षण संस्थाओं के बीच एक नवीन रूप, नवीन कलेवर एवं बालिका क्षेत्र में एक नवीन धारणा लेकर प्रारम्भ हुआ है–''स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय''। शिक्षा क्षेत्र के आकाश पर उदीयमान यह नवोदित नक्षत्र बालिका शिक्षा अज्ञान के तिमिर को अपनी कॉन्ति से दूर करने का अथक प्रयास करता रहेगा। एक शुभ समय में किया गया एक संकल्प, एक शुभ घड़ी में बालिका परोपकार का फूटा अंकुर, जिन महानुभावों के दिल में, वो साधुवाद के पात्र हैं। उनका अभिवन्दन करना कोई अतिश्योक्ति नहीं। इस संस्था के कर्ण धारों का उद्येश्य– आप सभी को केवल पुस्तकीय ज्ञान देना नहीं है, अपितु इस संस्था के माध्यम से हमारा उद्येश्य है– आप सभी को एक कर्त्तव्यनिष्ठ नारी के रूप में, एक देश–भक्त नागरिक के रूप में एवं सर्वोपरि–ईश्वर की सर्वोत्तम कृति स्वरूप एक आदर्श मानव के रूप में शिक्षित करने का। हमारा उद्येश्य है आप सभी में वांच्छित एवं आवश्यक मानवीय गुणों का विकास करना, जिससे कि आप भविष्य में न केवल अपना अपितु अपने माता–पिता, अपने परिवार एवं अपनी इस संस्था का नाम भी रोशन कर सकें।

किसी भी कार्य का शुभारम्भ हम करते हैं उस सर्वशक्तिमान के स्मरण से जिसकी कृपा के बिना कोई कार्य सफल नहीं हो सकता।

''श्री गणेशाय नमः श्री सरस्वत्यै नमः''।

प्रबिसि नगर कीजै सब काजा

हृदय राखि कौसलपुर राजा''

हर पल, हर पहर प्रभु का इसी प्रकार स्मरण रहे तो सफलता अवश्य ही चरण चूमेगी इसमें सन्देह नहीं।

12 जुलाई 2016 को रामायण का अखण्ड पाठ पॉच विद्वान पन्डितों द्वारा 24 घण्टे में सम्पन्न किया गया। तत्पश्चात् अगले दिन रात्रि में हवन का आयोजन किया गया, जिसमें संस्था के अध्यक्ष श्री बजरंग जी भाखर तथा सचिव डॉ. बाबू लाल जी देवन्दा ने जोड़े सहित हवन में आहुति होम की। भोज प्रसाद से संस्था का उद्घाटन के रूप में प्रभु स्मरण से कार्य सम्पन्न हुआ।

हमारा पुनीत 'गायत्री–मंत्र' वास्तव में 'सविता अर्थात् सूर्य का स्तवन है। हम उस सर्वशक्तिमान सूर्य के सौर–मण्डल के एक तुच्छ से अंग हैं। सूर्य हमारे लिये शक्ति का, ऊर्जा का अक्षय स्त्रोत है। उसी के प्रांगण, सूर्य मण्डल के क्रीडांगण में हम आज उसको नमन करते हुये शक्ति और ऊर्जा की प्रार्थना करते हैं। वे अपनी सप्त ऋषियों से इन बालिकाओं के तन–मन को सप्तरंगी इन्द्रधनुषों से सजाये व हमारे सयवेत प्रयत्न को सफलता का वरदान है।

महाविद्यालय परिचय

राज्य राजमार्ग सं. 7 पर किशनगढ़ शहर से 25 कि.मी. उत्तर में स्थित रूपनगढ़ कस्बा अपने आप में एक सुपरिचित नाम है जो कि बणी–ठणी के लिए अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त है। इसी कस्बे में परबतसर रोड़ पर शिक्षा के उन्नयन एवं विकास के लिए **मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर के द्वारा स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय** संचालित किया जा रहा है जो महिला शिक्षा के क्षेत्र में रूपनगढ़ कस्बे का प्रथम उभरता हुआ महाविद्यालय है।

महाविद्यालय का वर्तमान भवन 31000 वर्गगज क्षेत्र में बना हुआ है जिसमें 17 सुसज्जित कक्षा कक्ष 30X30 साइज के तथा सभी संसाधनों से युक्त गृहविज्ञान एवं भूगोल प्रयोगशालाए, सेमीनार हॉल, विशाल पुस्तकालय,वाचनालय, बुक बैंक एवं कम्प्यूटर प्रयोगशाला मौजूद है। वर्तमान भवन में एक 50X50 का 200 सीट्स सुविधा युक्त सेमीनार हॉल उपलब्ध है। महाविद्यालय में खेलकूद कक्ष एवं स्टोर हेतु भी अतिरिक्त कक्ष उपलब्ध है। महाविद्यालय परिसर में वॉलीबाल, बैडमिन्टन, खो–खो, कबड्डी, क्रिकेट इत्यादि आडटडोर गेम्स एवं केरम, शतरंज, टेबल टेनिस जैसे इन्डोर गेम्स की सुविधायें मौजूद है। महाविद्यालय का विशाल उद्यान महाविद्यालय की शोभा मे चार चांद लगाता है।

महाविद्यालय का प्रस्तावित भवन

महाविद्यालय में उपलब्ध भौतिक संसाधनों का विवरण निम्न तालिका में दर्शाया गया है :–

क्र. सं.	उपस्थित कक्ष	संख्या	उपलब्ध सामग्री
1	कक्षा–कक्ष	10	• प्रत्येक कक्ष मे 40 से 60 सीट्स मय राईटिंग टेबल • लेक्चर स्टेण्ड, विशाल श्यामपट्ट, हवा एवं रोशनी का पूर्ण प्रबन्ध
2	पुस्तकालय,वाचनालय एवं बुक बैंक	1	• विभिन्न विषयों की कुल 4000 से अधिक पुस्तकें • धूल एवं क्षति से बचाने हेतु 22 काँच की पुस्तकें रखने की बन्द अलमारियाँ • 40 छात्राओं की बैठक क्षमता का वाचनालय • लाइब्रेरी कार्ड की व्यवस्था • बुक बैंक जिसके माध्यम से प्रत्येक विद्यार्थी को 4 विषयों की पुस्तकें अग्रिम राशि जमा (जो की रिफण्डेबल है) देने पर उपलब्ध कराई जाती है।
3	कम्प्यूटर प्रयोगशाला	1	• कुल 22 कम्प्यूटर अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर एवं प्रिन्टर तथा स्केनर सहित उपलब्ध है।
4	गृह विज्ञान प्रयोगशाला	1	• समस्त मूलभूत आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशाला जिसमें बाल एवं महिला स्वास्थ्य एवं स्वच्छता सम्बंधी समस्त सामग्री उपलब्ध है।
5	भूगोल प्रयोगशाला (स्नातक)	1	• समस्त मूलभूत आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशाला उपलब्ध है ।
6	दृश्य श्रव्य संसाधन		• महाविद्यालय के पास ओ.एच.पी.,एल.सी.डी प्रॉजेक्टर कलर टीवी मय डी.वी.डी एवं कम्प्यूटर मय इन्टरनेट रेडियो एवं एफ.एम उपलब्ध है।
7	प्राचार्य,कार्यालय कक्ष एवं स्टाफ कक्ष	1	• निर्धारित मापदण्डों के अनुसार पूर्ण सुविधाओ से सुसज्जित है ।
8	खेलकूद एवं अन्य सहशैक्षिक सामग्री		• महाविद्यालय में क्रिकेट ,बैडमिन्टन , बॉलीवाल, फुटबाल, ऐथेलेटिक्स, शतरंज,कैरम,इत्यादि विभिन्न इन्डोर एवं आउटडोर खेलो की सुविधा मय खेल मैदान के उपलब्ध है साथ ही वाद्ययंत्र में हारमोनियम, तबला एवं ढोलक है ।
9	सेमीनार हॉल	1	• महाविद्यालय में एक सेमीनार हॉल 50 X 50 का 200 सीटों की क्षमता सहित उपलब्ध है ।
10	खेंल मैदान,प्रार्थना स्थल, कॉमन रूम एवं अन्य सुविधाऐं		• महाविद्यालय के पास पर्याप्त खेल मैदान, प्रार्थना स्थल, कॉमन रूम तथा छात्राओं एवं स्टॉफ हेतु अलग से स्वच्छ शौचालय एवं मूत्रालय व्यवस्था सहित उपलब्ध है।
11	कैटीन	1	• भोजन की उचित व्यवस्था

कम्प्यूटर लैब

खेल सामग्री

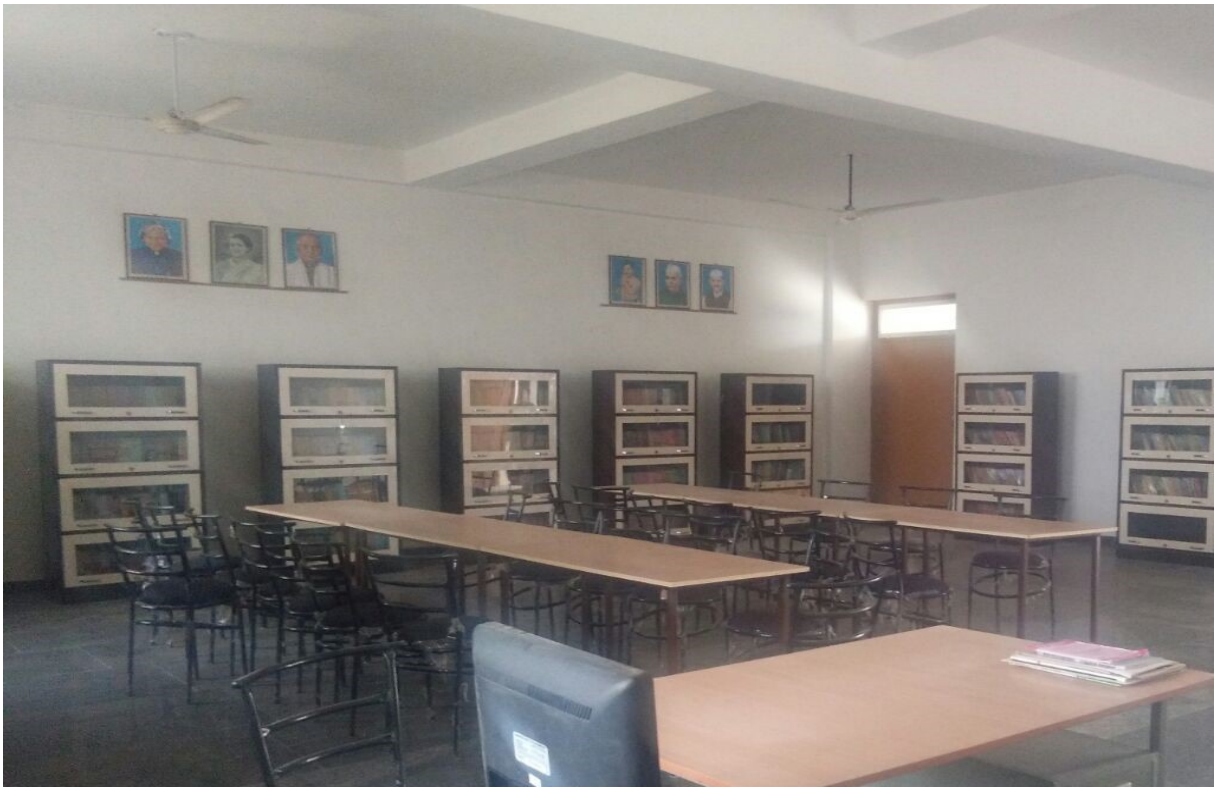

पुस्तकालय कक्ष

महाविद्यालय का खेल मैदान

विश्वविद्यालय से सम्बद्धता

महाविद्यालय महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर से सम्बद्ध है एवं राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त है।

महाविद्यालय में छात्र संख्या एवं उपलब्ध विषय

सत्र 2016–17 से अनवरत संचालित महाविद्यालय में सत्र 2021–22 में 163 छात्रायें विभिन्न विषयों मे नामांकित हुई। वर्तमान सत्र में अनिवार्य विषयों के अतिरिक्त राजनीति विज्ञान, इतिहास, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, हिन्दी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य,संस्कृत साहित्य एवं भूगोल विषयों का अध्ययन कराया जा रहा है।

विषयवार प्रविष्ठ छात्राओं का विवरण– सत्र 2021–22

कला वर्ग

क्र.सं	विषय	नामांकित छात्रायें			योग
		प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष	
1	राजनीति विज्ञान	77	59	23	159
2	भूगोल	36	23	12	71
3	इतिहास	68	51	17	136
4	समाज शास्त्र	00	00	00	00
5	अर्थशास्त्र	00	00	00	00
6	अंग्रजी साहित्य	00	00	00	00
7	हिन्दी साहित्य	59	47	17	123
8	गृहविज्ञान	00	00	00	00
9	संस्कृत साहित्य	00	00	02	02
10	दर्शनशास्त्र	00	00	00	00
11	मनोविज्ञान	00	00	00	00
12	लोकप्रशासन	00	00	00	00

महाविद्यालय की शैक्षिक उपलब्धियाँ

महाविद्यालय के परीक्षा परिणाम महाविद्यालय की शैक्षिक उपलब्धियो का प्रत्यक्ष बखान करते हैं। गतवर्षो की विश्वविद्यालयी परीक्षा का परिणाम सर्वोत्तम रहा।

सत्र 2021–22 में आयोजित विभिन्न शैक्षिक एवं सहशैक्षिक गतिविधियों का ब्यौराः–

सत्र 2021–22

में महाविद्यालय में निम्नांकित शैक्षिक एवं सहशैक्षिक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

➢ प्रवेशोत्सवः–

महाविद्यालय मे दिनांक 1 अगस्त 2021 को नवागन्तुक छात्राओ का प्रवेशोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर प्रबन्ध समिति के सचिव डॉ. बी. एल. देवन्दा एवं महाविद्यालय प्राचार्य डॉ.अनिल कुमार मिश्रा ने मय स्टॉफ श्री गणेश एवं मां सरस्वती की प्रतिमा की पूजा अर्चना कर प्रवेश कार्य प्रारम्भ किया। महाविद्यालय प्रबन्ध समिति द्वारा इस अवसर पर समस्त छात्राओं का तिलक लगाकर व मौली बाँधकर स्वागत किया गया, एवं सभी छात्राओं के लिए जलपान एवं मिठाई की व्यवस्था की गई। सत्र के प्रथम तीन दिवसों मे छात्राओं को शिक्षा से जोड़ने के लिए तथा उनके ज्ञान स्तर मे वृद्धि करने के लिए प्राचार्य एवं स्टॉफ द्वारा अपने–अपने विषयों की सामान्य जानकारी दी गई। छात्राओं से सामान्य परिचय लिया गया एवं कक्षागत शिक्षण का शुभारंभ किया गया।

1 अगस्त 2021 को संस्था के अध्यक्ष, सचिव, प्रभारी तथा प्राचार्य द्वारा मॉ शारदा के श्री चरणों को दीप शिखा की ज्योति एवं धूप–गन्ध से विभूशित किया। ये हमारी भारतीय संस्कृति की अर्चना रही है। तत्पश्चात् छात्राओं को तिलकार्चन कर विधि पूर्वक उद्घाटन किया। छात्राओं की संख्या 80 है।

सीनियर छात्राओं द्वारा नवप्रवेशित छात्राओं का तिलक करते हुए

➢ मेंहदी प्रतियोगिताः–

हमारी प्राचीन संस्कृति की एक शाश्वत् सनातन परम्परा रही है। अपने रीति–रिवाजों का मनोयोग से निर्वाह करना। राजस्थान में मेंहदी का अपना एक विशिष्ट ही स्थान है, जो पूरे देश क्या विश्व में प्रसिद्ध है। उस प्रान्त की हिना का ही रंग है जो कर–स्पर्श कर ले बस हिना लगने से पूर्व ही अपना रंग दिखा देती है। इसी के अन्तर्गत संस्था की बालिकाओं द्वारा 4 अगस्त 2021 को 'मेंहदी–प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रसन्नता की बात है कि इसी कलात्मक प्रतियोगिता से संस्था के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का 'श्री गणेश' हुआ।

इस प्रतियोगिता के निर्णायक थे– विजयलक्ष्मी(व्याख्याता हिन्दी) व शाहिद खान (व्याख्याता इतिहास)। मेंहदी प्रतियोगिता में विजयी रहीं–रिंकु कुमावल–प्रथम, तारा शर्मा–द्वितीय, पूजा कुमावत–तृतीय।

मेंहदी प्रतियोगिता

➢ स्वतन्त्रता–दिवसः–

15 अगस्त 2021 को संस्था द्वारा 'राष्ट्रीय पर्व' 'स्वतन्त्रता–दिवस' मनाया गया। ध्वजारोहण प्रभारी रमेश जी तथा प्राचार्या डॉ. अनिल कुमार मिश्रा ने किया। छात्राओं ने उमंग, उत्साह से राष्ट्र के प्रति सम्मान प्रकट करते हुये तथा ध्वज को नमन करते हुये राष्ट्रगान गाया।

➢ हरियालो राजस्थानः–

इसी राष्ट्रीय पर्व के उपलक्ष्य में 'हरियालो राजस्थान' के अन्तर्गत छात्राओं द्वारा वृक्षारोपण का कार्य भी सम्पन्न किया गया तथा वृक्षों को हरा–भरा रखने की शपथ ग्रहण की।

महाविद्यालय स्टाफ एवं छात्राएँ पौधारोपण करते हुए।

➢ शिक्षक–दिवसः–

5 सितम्बर 2021 'शिक्षक–दिवस' के रूप में महाविद्यालय में आयोजित किया गया। क्यों 5 सितम्बर 'शिक्षक–दिवस के रूप में मनाया जाता है यह जानकारी छात्राओं को दी गई।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन (भूतपूर्व तथा दूसरे राष्ट्रपति) के जन्म–दिवस को 'शिक्षक–दिवस' के रूप में मनाया जाता है–कारण कि एक बार जब वो अमेरिका में अध्यापक थें तो विद्यार्थीयों ने उनका जन्म–दिन मनाने की बात कहीं तब उन्होंने कहा कि ''ठीक है मेरा जन्म–दिन मनाओं पर 'शिक्षक–दिवस' के रूप में। तभी से 5 सितम्बर को उनका जन्म–दिन 'शिक्षक–दिवस' के रूप में मनाया जाता है। छात्राओं ने उस दिन शिक्षकों को श्रीफल तथा उपहार देकर सम्मान किया।

रूपनगढ़ के स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय में शिक्षक दिवस पर डॉ. राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण करते अतिथि। पत्रिका

'शिक्षक का जीवन दीपक समान'

रूपनगढ़ @ पत्रिका. कस्बे में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वप्पली राधाकृष्णन का जन्मदिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया गया। स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय में आयोजित समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ बीएल देवन्दा व अध्यक्ष डॉ बजरंगलाल भाकर ने दीप प्रज्वलित कर व डॉ राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर डॉ. देवन्दा ने कहा कि शिक्षक का जीवन दीपक के समान है जो स्वयं जलकर दूसरे को प्रकाश देता है। इस अवसर पर प्रभारी रमेश मीणा, प्राचार्य रानू वार्ष्णेय, डॉ. श्यामसुन्दर डूडी ने भी विचार व्यक्त किए। विद्यार्थियों ने महाविद्यालय के मुख्यद्वार पर गुरूजन का स्वागत किया। कोरोना गाइडलाइन की पालना करते हुए स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय व स्वामी विवेकानन्द शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन नहीं किया।

➢ हिन्दी–दिवसः–

14 सितम्बर 2021 को महाविद्यालय में 'हिन्दी–दिवस' का आयोजन किया गया। 14 सितम्बर 1949 को राष्ट्रभाषा समिति वर्धा के अनुरोध पर मनाया जाता है। इसी दिन संविधान सभा ने एक मत से यह निर्णय लिया कि हिन्दी ही भारत की'राज–भाषा' होगी। इस दिन महाविद्यालय की छात्राओ ने हिन्दी–दिवस के बारे में अपने विचार प्रस्तुत किए।

किशनगढ़

त की बेटी आपकी अपनी हिंदी हूं...

लों-कॉलेजों में हुए विभिन्न कार्यक्रम, वक्ताओं ने बताया हिंदी का महत्व, दैनिक कामकाज में अधिकाधिक उपयोग पर जोर

किशनगढ़. हिंदी दिवस पर आयोजित समारोह को संबोधित करतीं अतिथि।

रूपनगढ़. स्वामी विवेकानंद कॉलेज में आयोजित समारोह में मौजूद छात्राएं।

आत्म विकास से ही हिंदी भाषा का विकास संभव

श्री रतनलाल केवरलाल पाटनी गर्ल्स कॉलेज में हिन्दी दिवस पर मुख्य वक्ता डॉ. प्रतिभा शुक्ला ने कहा कि हिंदी भाषा हमारे विचारों की अभिव्यक्ति और संप्रेषण का सहज और सशक्त माध्यम है। यह जैसी बोली जाती है वैसी ही लिखी जाती है। भारत से बाहर मॉरिशस एक ऐसे राष्ट्र के रूप में उदाहरण है जहां राजभाषा हिंदी है। इससे पूर्व प्राचार्य डॉ. वंदना भटनागर ने भी हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉ. हुकुम सिंह चंपावत, निकिता, आयुषी सलोनी, सोनाली सहित अन्य लोग मौजूद थे।

सहित अन्य ने विचार व्यक्त किए। संचालन आनंद कंवर ने किया। इस अवसर पर कॉलेज में हिन्दी उपनिषद का गठन भी किया गया।

अग्रवाल गर्ल्स कॉलेजः कॉलेज में हिंदी दिवस पर निबंध, कविता पाठ, प्रश्नोत्तरी, भाषण सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्राचार्य डॉ. जया पंचोली व प्रभारी पूजा जिंदल ने हिंदी की उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला।

स्कूलों में कई कार्यक्रमः हिंदी दिवस पर राजकीय व निजी स्कूलों में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। स्कूलों में भाषण, आशुभाषण, निबंध, पोस्टर, लेखन, टंकण सहित कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने सभी स्कूलों में कार्यक्रमों का अवलोकन कर दिशा निर्देश दिए। राजकीय शार्दुल उच्च माध्यमिक स्कूल, राजकीय शार्दुल बालिका स्कूल कृष्णापुरी, रिसेट संस्कृत स्कूल, केडीजैन पब्लिक स्कूल, अग्रवाल कन्या पाठशाला, अग्रवाल पब्लिक स्कूल, अग्रवाल समाज प्रभाती देवी प्रसादी लाल पब्लिक स्कूल, सांवतसर स्थित मोहित पब्लिक स्कूल, सेंट स्टीफन सीनियर सेकंडरी स्कूल, राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक स्कूल, राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल, एडीजे पब्लिक स्कूल, प्रेरणा सहित अन्य स्कूलों में हिंदी दिवस पर कई कार्यक्रम आयोजित किए गए।

हिंदी दिवस मनाया

रूपनगढ़। स्वामी विवेकानंद महिला महाविद्यालय एवं स्वामी विवेकानंद शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को हिंदी दिवस मनाया गया। कॉलेज सचिव डॉ. बीएल देवंदा व अध्यक्ष बजरंगलाल भाखर ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या रानू वार्ष्णेय ने की। प्राचार्या ने अपने उदबोधन में कहा कि हिंदी हमारी राष्ट्रीय भाषा है, हमें इस पर गर्व होना चाहिए। हमें हिंदी भाषा को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। कॉलेज में हिंदी दिवस के अवसर पर वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसके अतिरिक्त श्रुतिलेखन व पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस मौके पर कॉलेज व्याख्याता शाहिद खान, विज लक्ष्मी कुमावत, सरोज जाख पूजा कुमावत, राजेश मंडूसि सीमा जाखड़ ने विचार व्य किए। कॉलेज प्रभारी रमेश मीण अतिथियों का स्वागत किया।

➢ गांधी–जयन्ती तथा शास्त्री जयन्तीः–

2 अक्टूबर 2021 को 'गांधी–जयन्ती तथा शास्त्री जयन्ती' का उत्सव उत्साहपूर्वक मनाया गया। प्रभारी रमेश जी, प्राचार्या डॉ.अनिल कुमार मिश्रा तथा अन्य व्याख्याताओं ने दोनों महापुरूषों के जीवन पर प्रकाश डाला। गॉधी जी के शब्दों में ''मैं दिमाग की खिड़की खुली रखना चाहता हूॅ ताकि ताजी हवा आती रहे, पर अपने धरातल को नहीं छोड़ना चाहता। ये हमारी सांस्कृतिक धरोहर बहुत पवित्र है, इसलिये खिड़की खुली रखना चाहता हूॅ। उनका कहना था कि ''ज्ञान जहॉ से भी मिले उसे स्वीकार करो। लाल बहादुर शास्त्री जी ने देश के नाम संदेश में कहा कि ''देश का हर इन्सान सोमवार का व्रत रखे तो हमारे देश में अन्न की बचत हो सकती ''। शास्त्री जी ने ताश्कन्द समझौता ऐसा हल किया कि देश को निहाल कर गये। एक नारा 'अमन' था एक का 'जय–जवान, जय–किसान।' देश सदा ही याद रखेगा कि ''आज के दिन दो फूल खिले थे जिनसे महका हिन्दुस्तान''।

➢ गरबा प्रतियोगिताः–

08 अक्टुबर 2021 को ही गरबा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें निर्णायक थे, शाहिद खान, विजय लक्ष्मी कुमावत,। इस प्रतियोगिता में दुर्गा ग्रुप में मेघना, मंजू प्रथम स्थान, सरस्वती ग्रुप में सोनू सैनी ने द्वितीय स्थान व कात्यानी ग्रुप में पूजा कंवर व परमेश्वरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

एफ.डी.पी.

दिनांक 20.12.2021 से 24.12.2021

महाविद्यालय के शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के कौशल विकास हेतु एफ.डी.पी. कार्यक्रम को आयोजन किया गया। जिसका विषय Scholarship Management था।

➢ स्वामी विवेकानन्द जयन्ती:–

12 जनवरी 2022 से 'स्वामी विवेकानन्द जयन्ती' के समारोह का आयोजन (राष्ट्रीय युवा सप्ताह) के रूप में 18 जनवरी 2022 तक किया गया, जिसके अन्तर्गत सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं खेलकूद प्रतियोगिताये आयोजित की गयी।

➢ रंगोली प्रतियोगिता :–

11 जनवरी 2022 को रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन उत्साह पूर्वक किया गया। जिसके निर्णायक– विजयलक्ष्मी कुमावत(व्याख्याता हिन्दी) रहें। इसमें प्रथम रहा समूह– पिंका डुडी मैना बोहरा रिकु कुमावत । द्वितीय रहा समूह– राजु जाट नोरती बावरी ममता मालाकार बीना माली।

➢ निबन्ध–लेखन प्रतियोगिताः–

12 जनवरी 2022 को महाविद्यालय में निबन्ध–लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय था–''स्वच्छ भारत अभियान''। जिसके निर्णयक थे। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रहीं पिंका डुडी, द्वितीय स्थान प्राप्त किया नोरती बावरी तथा तृतीय स्थान की रहीं राजु जाट।

➢ पोस्टर प्रतियोगिताः–

13 जनवरी 2022 को महाविद्यालय में ''पोस्टर प्रतियोगिता'' का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक थे विजयलक्ष्मी कुमावत (व्याख्याता हिन्दी), शाहिद खान

(व्याख्याता इतिहास), इस प्रतियोगिता में प्रथम पायदान पर रहीं सुरभी नामा, द्वितीय स्थान पर पिंका जाट व तृतीय स्थान, तारा शर्मा ने प्राप्त किया।

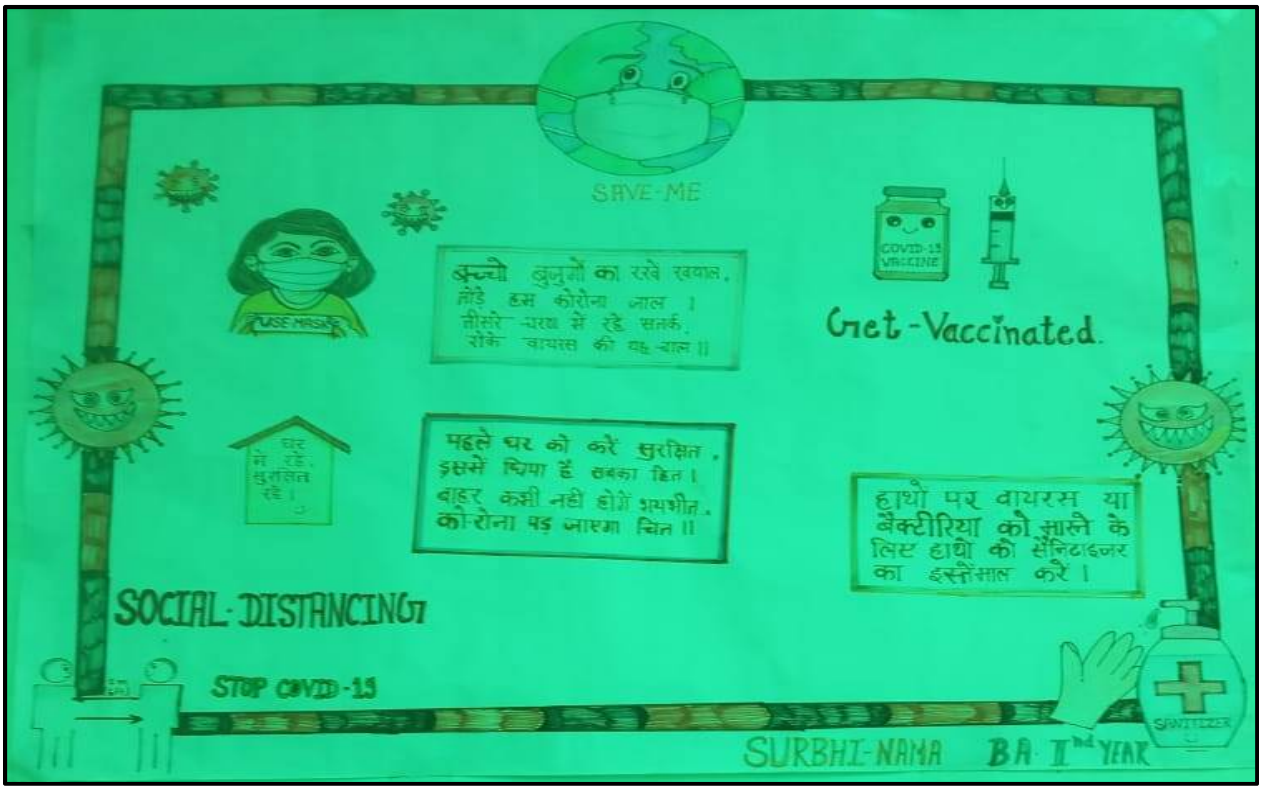

➢ दौड़ प्रतियोगिताः–

14 जनवरी 2022 को 100 मीटर, 200 तथा 400 मीटर दौड़ का आयोजन किया, जिसके निर्णायक शाहिद खान (व्याख्याता इतिहास) तथा विजयलक्ष्मी कुमावत (व्याख्याता हिन्दी) रहे। 100 मीटर दौड़ में मैना बोहरा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, पिंका डुडी द्वितीय स्थान पर रहीं तथा तृतीय स्थान पर रहीं अंगिता कुमारी। 200 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान पर रहीं रिकू कुमावत, अंगिता कुमारी द्वितीय रहीं तथा सुरभी नामा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

➢ गोला फेंक प्रतियोगिताः–

15 जनवरी 2022 को गोला फेंक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसके निर्णायक शाहिद खान, विजयलक्ष्मी कुमावत रहे। इस प्रतियोगित में प्रथम स्थान पर रिंकु कुमावत, एवं पिंका डुडी द्वितीय तथा अंगिता कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

➢ लम्बी कूद प्रतियोगिताः–

16 जनवरी 2022 को महाविद्यालय में लम्बी कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसके निर्णायक शाहिद खान एवं विजयलक्ष्मी कुमावत रहे। जिसमें अंगिता कुमारी प्रथम, मैना बोहरा द्वितीय तथा पिंका डुडी तृतीय स्थान पर रहीं।

➢ कंचा दौड़ :–

16 जनवरी 2022 को ही चम्मच तथा कंचा दौड़ भी की गई, जिसके निर्णायक थे, विजयलक्ष्मी कुमावत, शाहिद खान एवं। इस प्रतियोगिता में मैना बोहरा प्रथम, व पिंका डुडी द्वितीय रहीं।

➢ तस्तरी फैंकः–

16 जनवरी 2022 को ही तस्तरी फैंक का आयोजन किया गया जिसमें निर्णायक थे, शाहिद खान, विजय लक्ष्मी कुमावत। इस प्रतियोगिता में रिंकु कुमावत ने प्रथम स्थान,व मैना बोहरा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

17 जनवरी 2022 को ही अन्य निम्नलिखित प्रतियोगितायें इस प्रकार आयोजित की गईः–

➢ भार–सन्तुलन दौड़ः–

निर्णायक–शाहिद खान, विजयलक्ष्मी कुमावत।

इसमें प्रथम मैना बोहरा, रिंकु कुमावत द्वितीय रहीं

➢ म्युजिकल चेयरः–

निर्णायक–शाहिद खान, विजयलक्ष्मी कुमावत ।

इसमें पिंका डुडी प्रथम रहीं, ममता मालाकार द्वितीय रहीं।

➢ कब्बडी प्रतियोगिताः–

निर्णायक–शाहिद खान, राजेश कुमार मन्डुसिया एवं विजयलक्ष्मी कुमावत।

इसमें ममता मालाकार, सोना चौधरी, रिंकु, अनिता, पूजा जाट, मोना, पिंका डुडी ग्रुप ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

➢ वाद–विवाद प्रतियोगिताः–

निर्णायक–शाहिद खान, विजयलक्ष्मी कुमावत एवं सुमन कुमारी ।

इसमें राजु जाट ने प्रथम स्थान, अंजली दूसरे पायदान पर रही ।

➢ भाषण प्रतियोगिताः–

निर्णायक–शाहिद खान, विजयलक्ष्मी कुमावत ।

इसमें ममता मालाकार प्रथम स्थान व सोना चौधरी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

➢ समापन समारोहः–

18 जनवरी 2022 को राष्ट्रीय युवा सप्ताह का समापन समारोह रंगारंग कार्यक्रमों के द्वारा आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय युवा सप्ताह समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर रूप सिंह बारेठ पूर्व कुलपति एम.डी. एस. विश्वविद्यालय, अजमेर तथा विशिष्ट अतिथि श्रीमति नसीम अख्तर इंसाफ पूर्व शिक्षा

मंत्री राजस्थान सरकार रहे। समारोह की अध्यक्षता डॉ. सीताराम चौधरी ऐसोसियट प्रोफेसर राजकीय महाविद्यालय किशनगढ ने की। महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष श्री बजरंग लाल भाखर एवं सचिव डॉ.बी.एल देवन्दा ने सभी अतिथियों का पुष्पहार द्वारा सम्मान स्वागत किया गया।

मेहमानों का इंतजार करते हुए सभी विशिष्ट गण एवं कॉलेज परिवार

मुख्य अतिथि प्रोफेसर रूप सिंह बारेठ पूर्व कुलपति एम.डी.एस. विश्वविद्यालय, अजमेर का स्वागत करती हुई छात्राए।

दीप प्रज्जवलन करते हुए

राष्ट्रीय युवा सप्ताह समारोह में उपस्थित अतिथि गण

समारोह में उपस्थित गणमान्य नागरिक एवं छात्र, छात्राऐं

अतिथियों का स्वागत करते हुए महाविद्यालय सचिव डॉ. बी.एल देवन्दा

स्वागत करते हुए महाविद्यालय प्रबन्ध समिति अध्यक्ष बजरंग लाल भाकर

राष्ट्रीय युवा सप्ताह समारोह के अवसर पर महाविद्यालय सचिव छात्राओं को सम्बोधित करते हुए ।

पूर्व **MLA**नसीम अख्तर जी का स्वागत करते हुए प्राचार्या डॉ.रानू वार्ष्णेय

सांस्कृतिक कार्यक्रम

रजि. नं. 144/2008-09
Mob. 9314618091
राष्ट्रीय युवा सप्ताह समारोह

रजि. नं. 144/2008-09
Mob. 9314618091
राष्ट्रीय युवा सप्ताह समारोह
D J
DJ साऊण्ड
रूपनगढ़

राष्ट्रीय युवा सप्ताह समारोह
DJ साउण्ड

Mob. 9314618091
राष्ट्रीय युवा सप्ताह समारोह
दिनांक- 12 जनवरी से 18 जनवरी
प्रजापत
DJ साउण्ड

राष्ट्रीय युवा सप्ताह समारोह
12 जनवरी से 18 जनवरी
प्रजापत
DJ
टेन्टहाऊस
DJ साऊण्ड
अजमेर

रजि. नं. 144/2008-09
Mob. 9314618091
राष्ट्रीय युवा सप्ताह समारोह
प्रजापत

➢ पुरूस्कार वितरण

सत्र 2021–2022 के (राष्ट्रीय युवा सप्ताह समारोह) के अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं में जो छात्रायें विजयी रहीं उन सभी को मुख्य अतिथि महोदय ने स्मृति–चिह्न एवं प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित किया।

अथितियों द्वारा प्रतिभागियों को पुरूस्कार वितरण करते हुए

प्रोफेसर रूप सिंह बारेठ पूर्व कुलपति एम.डी.एस. विश्वविद्यालय, अजमेर द्वारा भाषण

मुख्य अतिथि प्राफेसर रुप सिंह बारेठ ने छात्राओं को बताया कि महिलाओं का पढ़ना समाज की प्रगति के लिये अति आवश्यक है। हमें संकुचित सोच त्याग कर लम्बी सोच सदा अपनानी चाहिये ताकि भविष्य में हम अपनी बालिकाओं को उच्च शिक्षा प्रदान कर सकें। इस रंग–बिरंगे कार्यक्रम के अवसर पर रूपनगढ़ के प्रतिष्ठित प्रतिनिधि श्रीमान् भगवान दास लखन सरपंच, हाजी इकबाल छीपा उपसरपंच एवं पूर्व सरपंच डी.सी.वी किरण ने भी छात्राओं को आर्शीवाद स्वरूप वचनों से लाभन्वित किया। समापन समारोह में श्रीमान् पांचू राम, श्री शिवराज सिंह डोडवाडिया क्रय–विक्रय सहकारी समिति अध्यक्ष किशनगढ़, गोपाल कुमावत ठेकेदार, डॉ सतीश किलावत पूर्व प्राचार्य केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ भारत सरकार, राकेश टण्डन, पंचायत समिति सदस्य रामचन्द्र थाकण, हनुमान सिंह जोधा, लिखमाराम बाना, हीरालाल माली, प्रकाश शर्मा, बिरदीचन्द कुमावत, हनुमान कुमावत, परमेश्वर बाना, खेतराम जाजड़ा, राजेन्द्र ओझा, मूलचन्द राईका, रामचन्द्र नेहरा, फिरोज खान, रामदीन बाना, करतार फडोलिया, रामनिवास बरकेस्या भी उपस्थित थे।

समारोह के अन्त में महाविद्यालय प्राचार्या डॉ.अनिल कुमार मिश्रा एवं महाविद्यालय प्रभारी रमेशचन्द मीणा ने सभी अतिथियों का तहे दिल से आभार व्यक्त करते हुये साधुवाद दिया। हम सभी की उस परम पिता परमेश्वर से करबद्ध प्रार्थना है कि आज जो बीज 'स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय' के नाम का रोपा गया है, भविष्य में वो वट वृक्ष की तरह इतना विशाल बने कि जिसकी जड़े नीचे धरती में तथा फूंगल फलक को स्पर्श करे। उसकी महक चहुँ दिशाओं में फैले तथा छात्रायें यहॉ अध्ययन कर ऊँचे–ऊँचे पदो पर आसीन होकर संस्था के नाम में चार चांद लगायें। रूपनगढ़ कस्बे में शिक्षा के क्षेत्र में उठाया गया ये कदम सराहनीय है तथा वो सभी विभूतियॉ अभिवन्दनीय, अभिनन्दनीय हैं, इसमें कोई अतिश्योक्ति नहीं। महिला शिक्षा उत्थान के लिये जो ये सराहनीय कदम उठाया गया है, उसी नारी को समर्पित ये पंक्तियॉ हैं–

"नारी तुम केवल श्रद्धा हो

विश्वास रजत नग पग तल में

पीयूष स्त्रोत सी बहा करो,

जीवन के सुन्दर समतल में"।

➢ बसन्त–पंचमीः–

05 फरवरी 2022 को महाविद्यालय में बसन्त–पंचमी के दिन मॉ शारदा की पूजा अर्चना की। मॉ वीणा–पाणि का वन्दन सनातन है, अनादि है, अनन्त है। भूत, वर्तमान, भविष्य गाते रहे हैं, गाते रहेंगे परन्तु सरस्वती का गुणगान कभी पूर्ण नहीं होगा।

➢ शैक्षणिक भ्रमण :–

दिंनाकः 07–03–2022से 09–03–2022 को प्रातः 8 बजे सभी छात्राओ के द्वारा गणेश वंदना के पश्चात शैक्षणिक भ्रमण के लिए उदयपुर रवाना हुए।

शैक्षणिक भ्रमण के लिए रवाना होते हुए

उदयपुर सिटी पेलेस

Conference Attended by Staff

International Conference on Multi-Disciplinary Research

Vimarsh-2022

अग्रवाल पी.जी.कॉलेज जयपुर की और से आयोजित इन्टरनेशनल सेमीनार मे महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ.श्यामसुन्दर व प्रोफेसर सुमन कुमारी ने इस विमर्श मे भाग लिया तथा अपना पेपर प्रस्तुत किया।

निम्न बिन्दू भी ध्यातव्य है:–

महाविद्यालय की छात्राओं को निर्धारित शर्तो के अनुसार प्रतिवर्ष छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

- राष्ट्रीय छात्रवृत्ति
- आवश्यकता मय योग्यता छात्रवृत्ति
- अनुसूचित जाति छात्रवृत्ति
- अध्यापकों के बच्चों को राष्ट्रीय छात्रवृत्ति
- सेवारत मृत राज्य कर्मचारियों पर आश्रित छात्राओं को छात्रवृत्ति
- भारत, पाक एवं चीन युद्धों में मृतक सैनिकों के बच्चों एवं विधवाओं को छात्रवृत्ति
- राष्ट्रीय ऋण योग्यता छात्रवृत्ति
- अन्ध, बधिर अथवा विकलांग छात्रवृत्ति
- अल्प आय वर्ग छात्रवृत्ति
- स्वतन्त्रता सेनानियों के बच्चों को देय छात्र वृत्ति

माँ शारदा के पूजन, अर्चन के साथ ही सत्र् 2021–22 के 'स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ' के वार्षिक–प्रतिवेदन को विराम दिया जाता है।

!!जय–हिन्द, जय–भारत!!

!!धन्यवाद!!